9:32

67a1d1d97877120...
maharajacollege.ac.in

हिमालयी और प्रायद्वीपीय नदियों के बीच अंतर

अंतिम बार अपडेट किया गया 28 मार्च, 2023

पीडीएफ के रूप में डाउनलोड करें

हिमालयी नदियाँ और **प्रायद्वीपीय** नदियाँ भारत में पाई जाने वाली दो अलग-अलग प्रकार की नदियाँ हैं, जिनकी अलग-अलग विशेषताएँ हैं। हिमालय की नदियाँ हिमालय में बर्फ और ग्लेशियरों से पोषित होती हैं, और उनका मार्ग लंबा होता है, ढलान अधिक होती है, प्रवाह अधिक होता है, और पूरे वर्ष अधिक विश्वसनीय जल प्रवाह होता है। उनका जलग्रहण क्षेत्र भी बड़ा होता है, और उनमें से अधिकांश बारहमासी नदियाँ हैं।

दूसरी ओर, प्रायद्वीपीय नदियाँ दक्कन के पठार से निकलती हैं और अपेक्षाकृत समतल भूभाग से होकर बहती हैं। उनके मार्ग छोटे होते हैं, ढाल कम होती है और प्रवाह धीमा होता है। वे मानसून की वर्षा पर भी अधिक निर्भर होती हैं, और इस प्रकार उनके जल प्रवाह में मौसमीता होती है, मानसून के मौसम में प्रवाह अधिक होता है और शेष वर्ष के दौरान प्रवाह कम होता है। इन नदियों का जलग्रहण क्षेत्र भी छोटा होता है और ये अधिकतर बारहमासी नहीं होती हैं।

इसके अलावा, हिमालयी नदियों में तलछट का भार अधिक होता है क्योंकि वे पहाड़ी क्षेत्र से निकलती हैं, जिससे तेजी से कटाव

ऐप में जारी रखें

परीक्षा परीक्षण बहुत अच्छा उत्तीर्ण

2:03

शुरू हो जाओ

है क्योंकि वे पहाड़ी क्षेत्र से निकलती हैं, जिससे तेजी से कटाव और तलछट का जमाव होता है। दूसरी ओर, प्रायद्वीपीय नदियों में तलछट का भार कम होता है।

	हिमालयी नदियाँ	प्रायद्वीपीय नदियाँ
पानी की उत्पत्ति	पिघलते ग्लेशियर और बर्फ	वर्षा और भूजल पुनर्भरण
नदी प्रणाली की आयु	युवा और ऊर्जावान	बूढ़ा और परिपक्व

9:38
chrome-native://pdf/link?url=

unacademy

Discussion on Peninsular River of India

Discussion on Peninsular River of India

Lesson 1 • Feb 9, 2020 • Tushar Tyagi

- भारत का अपवाह तंत्र
- भारतीय अपवाह तंत्र को प्रवाह के आधार पर दो भागों में बांटा जाता है।
- अरब सागर का अपवाह तंत्र -23% भाग सिंधु नर्मदा, ताप्ती ,माही, पेरियार नदी द्वारा प्रवाहित किया जाता है।
- बंगाल की खाड़ी का अपवाह तंत्र- भारत के अपवाह तंत्र में 77% भाग गंगा ब्रह्मपुत्र ,महानदी ,कृष्णा आदि नदियों द्वारा प्रवाहित किया जाता है।
- प्रायद्वीप भारत का अपवाह तंत्र
- उत्तरी भारत का अपवाह तंत्र

- श्योक तथा गिलगित के दाहिने किनारे पर मिलने वाली नदी है।तथा जास्कर बाएं किनारे पर मिलने वाली नदी है।
- जास्कर नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर की सीमा पर होता है यह जास्कर में गहरे

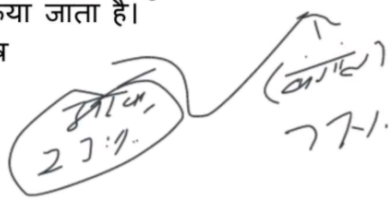

9:38
chrome-native://pdf/link?url=

वाली नदी है।

- जास्कर नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर की सीमा पर होता है यह जास्कर में गहरे गार्ज का निर्माण करती है।
- सतलज नदी इसका उद्गम मानसरोवर के निकट राकस ताल से होता है।यहां इसे लांगाचेन खवाब के नाम से जाना जाता है।इंडो तिब्बत सीमा पर बहती हुई शिपकीला दर्रे से भारत में प्रवेश करती है।यह सिंधु की प्रमुख सहायक नदी है।यह व्यास नदी में मिल जाती है पंजाब में लुधियाना के निकट से यह प्रभावित होती है।भारत में स्पीति नदी सतलुज नदी में उत्तरी भाग से मिलती है।

9:38
chrome-native://pdf/link?url=

9:38
chrome-native://pdf/link?url=

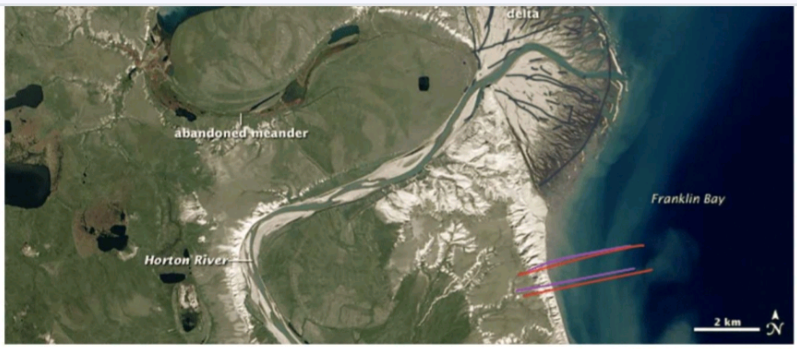

प्रायद्वीप भारत का अपवाह तंत्र

- महानदी -इस नदी का उद्गम छत्तीसगढ़ के निकट रायपुर से सिहावा की पहाड़ियों से होता है। उड़ीसा में अपना डेल्टा बनाती है।ब्रह्माणी तथा वैतरणी इसकी प्रमुख सहायक नदियां है।वैतरणी उड़ीसा के क्योंझर जिले से निकलती है।
- यह नदी पूर्व की ओर उड़ीसा की तरफ प्रवाहित होती हुई पाराद्वीप में अपना जल बंगाल की खाड़ी में मिलाती है।इसका विस्तार मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में है।
- गोदावरी नदी- प्रायद्वीप भारत की सबसे बड़ी नदी है।गोदावरी को बूढ़ी गंगा या दक्षिण गंगा के नाम से जाना जाता है।इसका उद्गम महाराष्ट्र के नासिक जिले में त्रिंबकेश्वर से होता है।यह महाराष्ट्र,छत्तीसगढ़,तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में प्रवाहित होती है।यह प्रायद्वीप भारत की सबसे लंबी तथा भारत की दूसरी सबसे लंबी नदी है।इस नदी के क्षेत्र में कोयला ,पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस प्राप्त होते हैं।

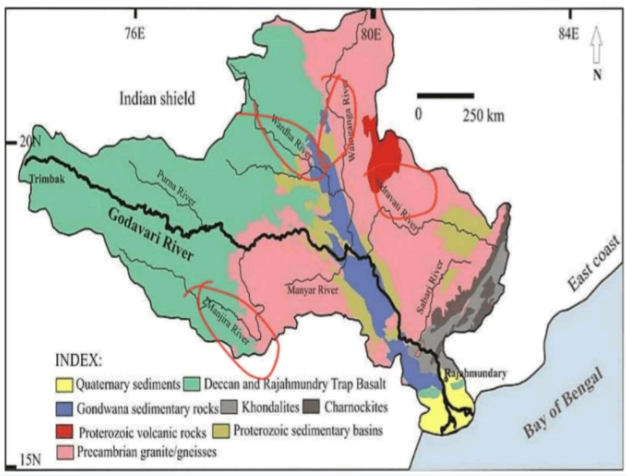

9:38
chrome-native://pdf/link?url=

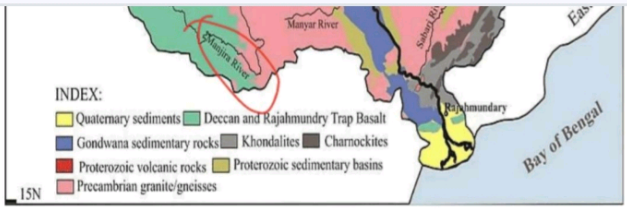

- कृष्णा नदी –यह प्रायद्वीप भारत की दूसरी सबसे बड़ी नदी है।इसका उद्गम महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट से महाबलेश्वर नामक स्थान से होता है।तथा यह महाराष्ट्र, कर्नाटक व आंध्र प्रदेश में प्रवाहित होती हुई बंगाल की खाड़ी में अपना जल मिलाती है।
- पंचगंगा, दूधगंगा ,कोयना ,तुगभद्रा ,भीमा ,घाटप्रभा व मुसी इसकी सहायक नदियां हैं।
- कावेरी नदी- इस नदी का उद्गम कर्नाटक के ब्रम्हगिरी पहाड़ियों से होता है।दक्कन के पठार में प्रवाहित होती हुई ये शिवसमुद्रम व श्रीरंगपट्टनम द्वीप का निर्माण करती है।यह नदी मॉनसून तथा लौटते हुए मानसून दोनों से वर्षा प्राप्त करती है।इसका विस्तार तमिलनाडु ,कर्नाटक तथा केरल में है।इस नदी के द्वारा भारत का सबसे दूसरा बड़ा जलप्रपात शिवसमुद्रम बनाया जाता है।भवानी ,अमरावती इसकी प्रमुख सहायक नदियां हैं।
- अमरावती -इसका उद्गम तमिलनाडु व केरल सीमा से होता है।तमिलनाडु में यह कावेरी में अपना जल मिलाती है।

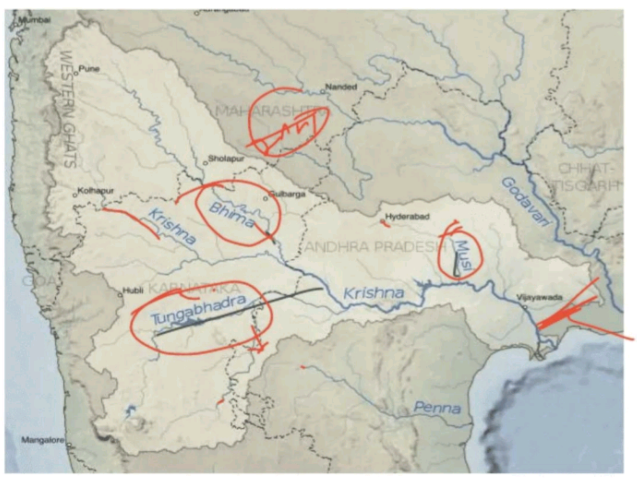

9:39 chrome-native://pdf/link?url=

- स्वर्णरेखा नदी - झारखंड राज्य में प्रवाहित होने वाली नदी है।इसके ऊपर हुंडरू जलप्रपात का निर्माण होता है।यह पश्चिम बंगाल में बालेश्वर नामक स्थान पर बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- नर्मदा नदी -इसका उद्गम छत्तीसगढ़ में स्थित में मेकाल पहाड़ियों के पास अमरकंटक से होता है।इसके दक्षिण में सतपड़ा और उत्तर में विंध्याचल पर्वत स्थित है।जबलपुर के निकट इस नदी पर धुआंधार जलप्रपात का निर्माण होता है।इसके द्वारा डेल्टा का निर्माण नहीं किया जाता अरब सागर में ज्वारनदमुख का निर्माण करती है।अरब सागर में मिलने वाली प्रायद्वीप भारत की प्रायद्वीप भारत की सबसे बड़ी नदी है।
- ताप्ती नदी - इसका उद्गम मध्य प्रदेश के सतपुड़ा पर्वत में मुलताई क्षेत्र से होता है। यह भी भ्रंश घाटी में बहने वाली नदी है ।महाराष्ट्र ,मध्य प्रदेश तथा गुजरात में यह प्रवाहित होती है।

- लूनी नदी -राजस्थान में पुष्कर पहाड़ियों से सरस्वती व सीबरमती दो धाराओं से उत्पन्न होती है।जो कि कच्छ के रन में अपना जल मिलाती है।
- काली नदी- इसका उद्गम कर्नाटक से होता है वह अरब सागर में अपना जल मिलाती है।
- माही नदी मध्यप्रदेश का उद्गम होता है खंभात की खाड़ी में अपना जल मिलाती है।
- मीठी नदी- मुंबई में बिहार झील से इसका उद्गम होता है।
- शरावती नदी -इसका उद्गम कर्नाटक के शिमोगा जिले से होता है।इसके द्वारा गरसोप्पा या जोग जलप्रपात का निर्माण किया जाता है।
- मांडवी नदी -इसे गोवा की जीवन रेखा कहा जाता है या कर्नाटक तथा गोवा में प्रवाहित होती है।
- जुआरी नदी- गोवा में प्रवाहित होने वाली सबसे लंबी नदी है।
- भरतपुझा- केरल के अन्नामलाई पहाड़ियों से निकलने वाली नदी जिसे पोन्नानी नाम से जाना जाता है।
- पेरियार- केरल की दूसरी सबसे लंबी नदी केरल की जीवन रेखा कहा जाता है।

9:39 chrome-native://pdf/link?url=

- लूनी नदी -राजस्थान में पुष्कर पहाड़ियों से सरस्वती व सीबरमती दो धाराओं से उत्पन्न होती है।जो कि कच्छ के रन में अपना जल मिलाती है।
- काली नदी- इसका उद्गम कर्नाटक से होता है वह अरब सागर में अपना जल मिलाती है।
- माही नदी मध्यप्रदेश का उद्गम होता है खंभात की खाड़ी में अपना जल मिलाती है।
- मीठी नदी- मुंबई में बिहार झील से इसका उद्गम होता है।
- शरावती नदी -इसका उद्गम कर्नाटक के शिमोगा जिले से होता है।इसके द्वारा गरसोप्पा या जोग जलप्रपात का निर्माण किया जाता है।
- मांडवी नदी -इसे गोवा की जीवन रेखा कहा जाता है या कर्नाटक तथा गोवा में प्रवाहित होती है।
- जुआरी नदी- गोवा में प्रवाहित होने वाली सबसे लंबी नदी है।
- भरतपुझा- केरल के अन्नामलाई पहाड़ियों से निकलने वाली नदी जिसे पोन्नानी नाम से जाना जाता है।
- पेरियार- केरल की दूसरी सबसे लंबी नदी केरल की जीवन रेखा कहा जाता है।

- अपवाह क्षेत्र के अनुसार प्रायद्वीप भारत की नदियां - गोदावरी,कृष्णा, नर्मदा, महानदी ,कावेरी

भारत के जलप्रपात

- भारत का सबसे बड़ा जलप्रपात शरावती नदी पर जोग या गरसोप्पा बनाया जाता है।ऊंचाई के अनुसार सबसे ऊंचा जलप्रपात कर्नाटक में कुंचिकल जलप्रपात है।जोकि वाराही नदी पर स्थित है।
- कावेरी नदी पर शिवसमुद्रम जलप्रपात का निर्माण कर्नाटक में होता है।
- छत्तीसगढ़ में इंद्रावती नदी पर चित्रकूट जलप्रपात जिसे भारत का नियाग्रा कहते हैं।
- गोवा और कर्नाटक की सीमा पर मांडवी नदी पर दूधसागर जलप्रपात का निर्माण होता है।
- नर्मदा नदी मध्य प्रदेश में धुआंधार जलप्रपात का निर्माण करती है।

Welcome to Unacademy
RPSC
India's top educators